मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 203 ■ गुरुवार, 31 अक्टूबर 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now /ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

चुनाव अब ट्वेंटी-20 मैच का खेल

20 दिनों में पूरी ताकत फूकेंगे प्रत्याशी

■ दिवाली बाद होगी प्रचार की शुरुआत

■ अपक्ष उम्मीदवार चुनाव चिन्ह की प्रतीक्षा में

4 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र हुए रद्द

4 नवंबर नामांकन वापसी की अंतिम तारीख

उल्हासनगर. उल्हासनगर विधानसभा 141 क्षेत्र में होने जा रहे चुनाव में कुल 30 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे जिसमें से 4 उम्मीदवारों की नामांकन पत्र रद्द हो गए हैं। चारों उम्मीदवार अपक्ष थे। ऐसे में अब 26 उम्मीदवार मैदान में रह गए हैं। सभी प्रमुख उम्मीदवारों का नामांकन पत्र मंजूर हो चुका है। शेष 26 उम्मीदवारों में अब कौन सा उम्मीदवार 4 नवंबर को अपना नाम वापस लेता है यह देखने वाली बात होगी। ज्ञात हो कि इन 26 उम्मीदवारों में से 6-7 उम्मीदवार डमी बताए गए हैं जो प्रमुख उम्मीदवारों के संरक्षण हेतु मैदान में उतरे हैं। लेकिन असली लड़ाई तो राजनीतिक पक्ष और प्रमुख अपक्ष उम्मीदवारों के बीच ही होगी। ऐसा समझा जा रहा है कि दिवाली के बाद से ही प्रचार की जोरों पर शुरुआत की जाएगी। ज्ञात हो कि 20 दिनों में चुनाव होने हैं लेकिन अभी तक कोई भी उम्मीदवार जनता की परेशानियों को जानने के लिए नहीं पहुंचा है। ऐसे में 20 दिनों में इन 20 से ज्यादा के उम्मीदवारों को चुनाव जीतना आसान नहीं होगा। अब यह 20-20 मैच का खेल बन गया है। क्योंकि शहर की खस्ता हालत से जनता त्रस्त हो चुकी है और नए चेहरे की तलाश में है। वहीं अब अपक्ष उम्मीदवार चुनाव चिन्ह का इंतजार कर रहे हैं ताकि वो अपना प्रचार जल्द से जल्द शुरु कर पाएं।

आयलानी, कालानी व राजवानी में होगी कड़ी टक्कर

ज्ञात हो कि मैदान में शेष रह गए 26 उम्मीदवारों में से भाजपा उम्मीदवार कुमार आयलानी, राकांपा उम्मीदवार ओमी कालानी व अपक्ष उम्मीदवार भारत राजवानी (गंगोत्री) के बीच ही टक्कर होने की संभावना है। वहीं इस त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बनाने के लिए मनसे से भगवान भालेराव और वंचित आघाड़ी से संजय गुप्ता भी अपना जोर लगाएंगे। शेष अपक्ष उम्मीदवार जो अपने समाज और शहर की उदासीनता के लिए लड़ रहे हैं वो भी आम जनता तक पहुंचने का प्रयास करेंगे।

26 उम्मीदवार मैदान में

1) कुमार आयलानी	(भाजपा)
2) भारत राजवानी (गंगोत्री)	(अपक्ष)
3) ओमी कालानी	(राकांपा)
4) पंचम कालानी	(राकांपा)
5) संजय गुप्ता	(वंचित)
6) रीना गुप्ता	(वंचित)
7) भगवान भालेराव	(मनसे)
8) अब्दुल शेख	(बसपा)
9) एड. राज चांडवानी	(अपक्ष)
10) एड. राजकुमार सोनी	(अपक्ष)
12) प्रमोद पालकर	(अपक्ष)
13) मनोज सयानी	(नागरिक विकास)
13) हितेश जेसवानी	(अपक्ष)
14) इब्राहिम अंसारी	(अपक्ष)
15) अमर जोशी	(अपक्ष)
16) प्रमोदकुमार अग्रवाल	(अपक्ष)
17) मोहम्मद शेख	(अपक्ष)
18) अनिल जैसवाल	(अपक्ष)
19) पूजा वाल्मीकि	(अपक्ष)
20) अनिल तोतानी	(अपक्ष)
21) अमित उपाध्याय	(अपक्ष)
22) शब्बीर खान	(अपक्ष)
23) हेमंत वलेच्छा	(अपक्ष)
24) आरजू आयलानी	(अपक्ष)
25) शहालम शेख	(अपक्ष)
26) मीना आयलानी	(अपक्ष)

उल्हासनगर-2 न्यू गजानंद मार्केट के दुकानों में आग, लाखों का नुकसान

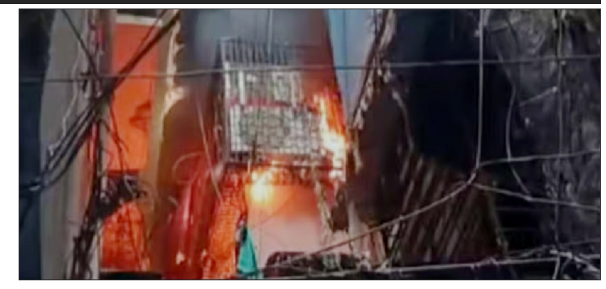

उल्हासनगर. बुधवार 30 अक्टूबर की सुबह करीब 8.30 बजे उल्हासनगर-2 से सुप्रसिद्ध गजानंद मार्केट के पीछे स्थित न्यू गजानंद मार्केट के उपरी मंजिल पर स्थित कुछ कपड़ों की दुकानों में भीषण आग लग गई। यह आग इतनी भीषण थी कि फायर ब्रिगेड को बुझाने में कई घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। करीब 6 अग्निशमन के वाहनों ने 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इस आगजनी में दुकानों में रखा लाखों रुपए का कपड़ा जलकर स्वाहा हो गया। जब यह आग लगी तो दुकान बंद थी और परिसर में भी कोई नहीं था अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। इस मार्केट में इतनी संकरी गलियां होने के कारण फायरब्रिगेड अंदर नहीं पा रही थी जिस कारण आग को बूझाने में समय लगा। इसी परिसर में इंदिरा गांधी गार्डन परिसर में भी ट्रांसपोर्ट का अड्डा बनाए जाने से यहां कोई भी फायर ब्रिगेड अथवा एम्बूलैंस अंदर नहीं आ पाती है जिस कारण भविष्य में कोई भी हादसा होता है तो यातायात पुलिस व प्रशासन जिम्मेदार होगा जो इन ट्रांसपोर्ट मालिकों को समर्थन देता है।

अंबरनाथ विधानसभा से एक प्रत्याशी का नामांकन निरस्त

■ शेष 25 उम्मीदवारों के फार्म सही पाए गए

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र से कुल 26 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था, जिसमें से बुधवार को नामांकन पत्रों की छंटनी में एक उम्मीदवार का नामांकन निरस्त कर दिया गया है. 25 प्रत्याशियों के नामांकन सही पाए गए हैं. बुधवार को तहसील कार्यालय में चुनाव निर्णय अधिकारी प्रशांत जोशी ने नामांकन छंटनी की प्रक्रिया को पूरा किया. प्रत्याशी 4 नवंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं. उसके बाद ही स्पष्ट होगा कि कितने प्रत्याशी मैदान में रह गए हैं .

अंबरनाथ विधानसभा में शिवसेना विरुद्ध शिवसेना का मुकाबला निश्चित हो गया है. शिवसेना से जीत कर आए डॉ. बालाजी किणीकर ने शिवसेना शिंदे गट से चौथी बार नामांकन दाखिल किया है, तो सन 2015 में उनके मुकाबले में खड़े राजेश वानखेडे ने इस चुनाव में शिवसेना उबाठा से अपनी उम्मीदवारी दाखिल की है. उनको उम्मीदवारी दिए जाने से शिवसेना उबाठा में भी नाराजी है. शिवसेना उद्धव के डॉ. मानकर ने भी उनके मुकाबले में अपक्ष का फार्म भरा है.

महाविकास आघाड़ी में अंबरनाथ में फूट देखी जा रही है. आघाड़ी का सहयोगी पक्ष कांग्रेस से सुमेध भवार ने नामांकन दाखिल किया है. उपरोक्त चारों उम्मीदवारों के नामांकन सही पाए गए हैं.

चुनाव के चलते अर्धसैनिक दल हुआ तैनात

■ पुलिस ने रूट मार्च निकाला

■ 20 नवंबर को मताधिकारी का प्रयोग करें- उपायुक्त

■ आचार संहिता भंग हो तो कंट्रोल रुम से संपर्क करें

उल्हासनगर. उल्हासनगर के मध्यवर्ती पुलिस ने शहर में रूट मार्च निकाला. यह रूट मार्च चुनाव और आचार संहिता के चलते निकाला गया. इस रूट मार्च में अर्धसैनिक बल भी शामिल हुआ.

इस अवसर पर पुलिस द्वारा लोगों में जनजागरण भी किया गया। डीसीपी सचिन गोरे ने नागरिकों से अपील की है 20 नवंबर को अपने मताधिकार का प्रयोग करें और आचार संहिता भंग की जानकारी मिले तो 112 अथवा उल्हासनगर कंट्रोल रुम से संपर्क करें।

विमको नाका निवासी कारखाने के बदबूदार पानी गैस से परेशान

■ विहान कारखाने पर कार्रवाई की मांग

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के केटी स्टील परिसर में निर्माण की गई कुछ छोटे कारखानों से केटी स्टील एवं विमको नाका परिसर के रहिवासी परेशान हैं. इन कारखानों पर महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल का अंकुश नहीं रह गया है. यहां की विहान कारखाने के बारे में दर्जनों निवासियों ने पुलिस स्टेशन, नपा मुख्याधिकारी एवं एमपीसीबी को लिखित में शिकायत करके इस कंपनी पर कार्रवाई करने की मांग की गई है. इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता फिरोज़ पठाण ने बताया कि विहान व अन्य कारखाने परिसर में गंदा केमिकल युक्त पानी छोड़ रहे हैं. जिसकी बदबू एवं धुआंदार गैस से निवासियों का घरों में बैठना मुश्किल हो गया है. सांस रुकने एवं आंखों में जलन खांसी से निवासी परेशान हैं. घरों की खिड़कियां तक बंद रखना पड़ रहा है. कुछ वृद्ध एवं छोटे बच्चे बीमार भी पड़ रहे हैं. फिरोज़ पठाण एवं लगभग 50 निवासियों ने हस्ताक्षर करके उपरोक्त तीनों सरकारी विभाग को लिखित शिकायत करके विहान लिमिटेड व अन्य कारखानों पर कार्रवाई करने की मांग की है.

अंबरनाथ में मिला कोबरा सांप

■ सर्पमित्र ने तीन घंटे में पकड़ा

■ शिवगंगा नगर के घर में घुसा कोबरा

■ इमारत परिसर में अफरा-तफरी

अंबरनाथ. अंबरनाथ के शिव गंगा नगर इलाके के रामेश्वर कृपा बिल्डिंग में घर के लोगों ने एक बड़े कोबरा सांप को घर में घुसते देखा, ग्राउंड फ्लोर पर बने चैंबर से पांच से छह फुट का कोबरा सांप घर में घुसने की जानकारी मिली है जब सांप बाथरूम में था तो परिवार के लोगों ने सर्प मित्र आकाश गोहिल को बुलाया। सर्प मित्र आकाश गोहिल ने तीन घंटे के अथक प्रयास के बाद सांप को जीवनदान दिया। सांप के रेस्क्यू के बाद स्थानीय लोगों को भी राहत मिली।

प्रचार सामग्री हुई 15-20% महंगी

कल्याण. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में नामांकन दाखिल होते ही प्रचार सामग्री की खरीदारी शुरू हो गई है. इस साल इन प्रचार सामग्रियों में 15 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है.

विधानसभा चुनाव के चलते हर जगह राजनीतिक समूह और कार्यकर्ता पार्टी के लिए काम करने में जुट गए हैं. सभाओं या सार्वजनिक बैठकों में किसी उम्मीदवार के लिए प्रचार करते समय आपकी पार्टी के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार की तस्वीर वाले तख्तियां, झंडे और स्कार्फ का अधिकतम उपयोग किया जाता है। विभिन्न दलों की ओर से इस समय प्रचार के लिए माहौल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं. राजनीतिक दलों को बैठकों और राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए प्रचार सामग्री की आवश्यकता होती है। इस प्रयोजन के लिए, कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, राकांपा, शिवसेना और निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ-साथ अन्य दलों सहित प्रमुख राजनीतिक दलों के नाम और नेताओं वाली अभियान सामग्री प्रस्तुत की गई है। इसमें झंडे, बैज, प्लास्टिक बैज, टोपी, रूमाल, रिबन आदि शामिल हैं। इस साल दिवाली और चुनाव एक साथ आने से प्रचार सामग्री की कीमत 15 से 20 फीसदी तक बढ़ गयी है. इस वर्ष प्रचार सामग्री में चश्मा नया बनाया गया है। इस पर सभी पार्टियों के चुनाव चिन्ह छपे हुए हैं. प्रचार सामग्री तैयार करने के लिए एक माह पहले से ही तैयारी कर ली गई है। विक्रेताओं ने कहा कि इसके अलावा, सामग्री अन्य पार्टियों की मांग के अनुसार तैयार की जाती है।

प्रचार सामग्री के लिए आवश्यक कच्चा माल अहमदाबाद, दिल्ली और सूरत से शहर में लाया जा रहा है। ठाणे शहर से प्रचार सामग्री जालना, औरंगाबाद, अहमदाबाद, पिंपरी-चिंचवड़, शिरडी, संगमनेर, झारखंड तक पहुंच चुकी है. इसी तरह इस साल पांच से साढ़े सात फीट तक के झंडे बनाये गये हैं. साथ ही 100 मीटर पार्टी मार्क स्ट्रिप भी बनाई गई है। सामग्री विक्रेता ने कहा, इसमें भी 10 से 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में लोकतंत्र बचाने के दावे के साथ जारी चुनावी जंग में दोनों पक्षों की भाषा ऐसे स्तर पर उतर गई लगती है, जिसमें खुद को श्रेष्ठ और दूसरे को हीन बताने के लिए कई बार आपत्तिजनक शब्दों का भी सहारा लिया जाने लगा है। यह किसी तीसरी दुनिया या पिछड़े कहे जाने वाले देश के राजनीतिक माहौल के संदर्भ में होता, तो उसकी वजहें समझी जा सकती थीं। मगर हैरानी की बात है कि अमेरिका जैसे सभ्य और विकसित माने जाने वाले देश में भी मुख्य प्रत्याशियों के बीच एक-दूसरे के खिलाफ जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुकूल नहीं है।

जनता की समस्या के बजाय एकदूसरे पर लगाए आरोप

गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की ओर से न्यूयार्क की एक रैली में उनकी प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस के बारे में कुछ निजी और आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। वहीं कमला हैरिस ने भी मुद्दों के बजाय ट्रंप को खतरनाक और राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य बताया। दोनों ही प्रत्याशी खुद को अमेरिका के लोकतंत्र का ज्यादा सक्षम और योग्य पहरुआ बता रहे हैं।

सवाल है कि अमेरिका जैसे देश में इतने वर्षों के लोकतंत्र के बावजूद अब तक किस परंपरा का विकास हुआ है कि आज भी एक प्रत्याशी को दूसरे पर हावी होने के लिए जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर बात करने के बजाय निजी हमलों और सनसनी फैलाने वाले आरोपों का सहारा लेना पड़ रहा है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि शीर्ष पदों पर बैठे, देश का नेतृत्व करते या उसके लिए दावेदारी करने वाले लोग जब जनता से संवाद करते हैं, तो उसमें मुद्दों पर बातें करने के लिए इस्तेमाल होने वाली भाषा का लोगों पर कैसा असर पड़ता है।

लोगों के सोचने-समझने का स्तर भी कई बार मुख्यधारा के राजनीतिक माहौल से संचालित और निर्धारित होने लगता है। जबकि अगर अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दोनों मुख्य उम्मीदवार एक-दूसरे को कमतर ठहराने के लिए निम्नस्तरीय भाषा का इस्तेमाल करने के बजाय आम लोगों के हित से जुड़े मसलों के हल का खाका पेश करते, तो न केवल लोगों में एक परिपक्व समझ का विकास होता, बल्कि देश का लोकतंत्र भी मजबूत होता।

एक-दूजे की जड़ें काटने वाले सहयोगी

कोई भी राजनीतिक गठबंधन हो, उसमें कुछ न कुछ खींचतान बनी ही रहती है। यह खींचतान तब और बढ़ जाती है, जब चुनाव आ जाते हैं। इन दिनों महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों के चलते पक्ष-विपक्ष के गठबंधनों के बीच आपसी खींचतान देखने को मिल रही है, लेकिन यह स्पष्ट ही है कि एनडीए के मुकाबले विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए में वह कुछ ज्यादा ही है। इसका कारण यह है कि जहां भाजपा के सहयोगी दल उसकी राजनीतिक जमीन पर कब्जा करके नहीं उभरे, वहीं कांग्रेस के सहयोगी दल उसके ही वोट बैंक में सेंध लगाकर मजबूत हुए हैं। इसी कारण उत्तर प्रदेश के उपचुनावों में भी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच खींचतान हुई। दोनों में विधानसभा की नौ सीटों के उपचुनावों के लिए भी सहमति कायम नहीं हो सकी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस को नौ में से केवल दो सीट देने की पेशकश की। ये भी वे सीटें थीं, जहां से कांग्रेस के जीतने की संभावना स्याह थी। जोखिम देखकर कांग्रेस ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया, क्योंकि यदि वह ये सीटें हार जाती तो भविष्य में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने का उसका दावा कमजोर हो जाता। कांग्रेस ने सपा की पेशकश ठुकराते हुए यह दिखाया कि वह गठबंधन की एकजुटता के लिए त्याग कर रही है। कांग्रेस ने त्याग नहीं किया, बल्कि मजबूरी में उपचुनाव लड़ने से मना किया, यह अखिलेश यादव के इस बयान से स्पष्ट हो गया कि राजनीति में कोई त्याग नहीं करता। उन्होंने यह बयान महाराष्ट्र में पांच सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा ठोकते हुए किया।

सपा ने चेताया है कि यदि उसे महाविकास आघाड़ी ने पांच सीटें नहीं दीं तो वह 25 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार देगी। वह ऐसा कर भी सकती है, क्योंकि मध्य प्रदेश में जब कांग्रेस ने उसे एक अकेली सीट भी नहीं दी थी तो उसने अपने 22 प्रत्याशी उतार दिए थे। कांग्रेस ने हरियाणा में भी सपा को कोई सीट नहीं दी थी। हरियाणा में वह आम आदमी पार्टी से मिलकर चुनाव लड़ने के संकेत देकर पीछे हट गई थी। इसका उसे नुकसान अवश्य हुआ, लेकिन उसका यह फैसला उचित ही था, क्योंकि यदि वह आप से समझौता करती तो वह उसे हरियाणा में अपने वोट बैंक में सेंध लगाने का ही मौका देती। कांग्रेस ने ऐसा करके ही एक के बाद एक राज्यों में अपनी राजनीतिक जमीन खोई है और आज उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई ऐसे राज्यों में तीसरे-चौथे नंबर का दल बनकर रह गई है, जहां कभी वह प्रमुख दल हुआ करती थी।

यह कहना-मानना निरा झूठ है कि सपा, राजद, जदयू, झामुमो, राकांपा, शिवसेना-यूबीटी, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी आदि जो अनेक दल आइएनडीआइए का हिस्सा हैं, वे कांग्रेस के स्वाभाविक सहयोगी हैं। ये सभी दल कांग्रेस विरोध की पैदाइश हैं और वस्तुतः एक-दूजे के स्वाभाविक विरोधी हैं। संविधान और आरक्षण बचाने का थोथा नारा लगाकर वे स्वाभाविक विरोध के इस सच को छिपा नहीं सकते। सहयोगी दलों ने कांग्रेस के कोर वोट बैंक को हड़पकर ही अपना अस्तित्व बनाया है। ये नहीं चाहेंगे कि उनके सहयोग-समर्थन से कांग्रेस फिर से मजबूत हो। सपा के दृष्टिकोण से देखें तो उसने यूपी उपचुनाव में कांग्रेस को महत्व न देकर ठीक ही किया। यूपी में कांग्रेस तभी मजबूत हो सकती है, जब सपा का कुछ वोट बैंक उसके हिस्से में आए। आखिर ऐसे में सपा यह क्यों चाहेगी कि कांग्रेस फिर सशक्त हो। वह यह अच्छे से जानती है कि उसने अपनी राजनीतिक जमीन कांग्रेस के कोर वोट बैंक पर कब्जा करके ही बनाई है। यदि कांग्रेस की भागीदारी वाला महाविकास आघाड़ी सपा को कोई सीट देने के लिए तैयार नहीं तो उसके नजरिये से यह उचित ही है। जब कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना-यूबीटी को एक-दूसरे से सामंजस्य बैठाने में पहले से ही अपनी राजनीतिक जमीन पर सिमटना पड़ रहा है, तब फिर उन्हें एक और नया साझेदार बनाकर अपनी समस्या क्यों बढ़ानी चाहिए?

यदि कांग्रेस यह चाह रही है कि वह अपने सहयोगी दलों से अपना वोट बैंक छीने और यदि फिलहाल यह न कर सके तो कम से कम उनके विस्तार को रोके तो यह गलत नहीं है। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में गुजरात में आप से समझौता कर राजनीतिक आत्मघात ही किया था। उसने हरियाणा में आप को भाव न देकर गुजरात वाली गलती को ठीक करने का ही काम किया। इस पर भी हैरानी नहीं कि झारखंड में कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आपस में सीटें बांट लीं और राजद को ठेंगा दिखा दिया। ऐसा करके इन दोनों दलों ने कोई गलत काम नहीं किया, क्योंकि एक तो राजद की झारखंड में कोई राजनीतिक हैसियत नहीं और दूसरे, वह यहां कांग्रेस एवं झामुमो के वोट बैंक में ही सेंध लगाता।

हमारी आत्मा, जिसका सार-तत्व वही है जो परमात्मा का है, विशुद्ध चेतनता की उपस्थिति में ही आनंद पाती है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

श्मशान घाट में मनाते हैं दीवाली, कब्र पर जलाते हैं दिये

जरा हट के

दीवाली एक जीवंत उत्सव है, जो हर जगह लोगों द्वारा मनाया जाता है. इस त्योहार के दौरान, भक्त देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा करते हैं. घरों को दीपों और इलेक्ट्रिक लाइट्स से सजाया जाता है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है और सभी के जीवन में खुशियाँ लाता है. दीप जलाना और पटाखे फोड़ना कई लोगों के लिए एक प्रिय परंपरा बन गई है. हालांकि, करीमनगर जिले में दीवाली का दृष्टिकोण काफी अलग है. पिछले 60 सालों से, इस समुदाय ने एक अनोखी परंपरा का पालन किया है. वे दीवाली का जश्न श्मशान में मनाते हैं. परिवार अपने प्रियजनों की कब्रों पर दीप जलाकर अपने पूर्वजों को सम्मान देते हैं, जो कि करीमनगर, तेलंगाना में जारी है. करजना गड्डा के हिंदू श्मशान में,

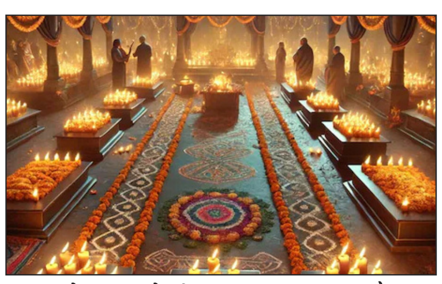

एक विशेष सामाजिक समूह के परिवार हर साल अपने मृतक रिश्तेदारों की याद में एकत्र होते हैं.

त्योहार से एक सप्ताह पहले, परिवार कब्रों की सफाई और रंगाई करते हैं. दीवाली के दिन, वे कब्रों को फूलों से सजाने के लिए एकत्र होते हैं और शाम वहां बिताते हैं. वे अपने बुजुर्गों को याद करते हैं, उनके लिए भेंट चढ़ाते हैं, मोमबत्तियाँ जलाते हैं और उनकी पसंदीदा खाद्य वस्तुएँ कब्रों पर रखते हैं. परिवार आधी रात तक अनुष्ठान और प्रार्थनाएँ भी करते हैं.

दीवाली का विशेष महत्व

जब पूरे देश में लोग घरों और सार्वजनिक स्थानों पर दीवाली मनाते हैं, यहाँ करीमनगर में, ध्यान श्मशान पर केंद्रित होता है. समुदाय का मानना है कि इस विशेष दिन अपने प्रियजनों का सम्मान करने से उनकी आत्माओं को शांति मिलती है. हालांकि यह अनोखा प्रतीत हो सकता है, फिर भी कई लोग उन लोगों की यादों को मनाने में खुशी पाते हैं जो अब हमारे बीच नहीं हैं.

उत्सर्जन रोकने के इरादे धुआं-धुआं

जलवायु परिवर्तन का प्रकोप पूरी दुनिया को अपने पंजे में कस रहा है। हर कोई वैश्विक उत्सर्जन पर लगाम लगाने की जरूरत रेखांकित करता देखा जाता है। हर वर्ष होने वाले जलवायु सम्मेलन में जैव ईंधन की खपत कम करने, कार्बन उत्सर्जन पर कठोरता से काबू पाने के इरादे जताए जाते हैं। संकल्प लिया गया कि 2030 तक वैश्विक तापमान में वृद्धि को डेढ़ फीसद तक सीमित कर लिया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हर वर्ष तापमान में कुछ वृद्धि दर्ज होती है। मौसम का मिजाज बिगड़ चुका है। कहीं अतिवृष्टि से लोग परेशान हैं, तो कहीं अनावृष्टि से।

बहुत सारे पहाड़ों पर बर्फ गिरनी कम हो गई है। वहां की झीलों का तल चिंताजनक स्तर तक घट गया है। नदियां सूख रही हैं, कृषि उत्पादन पर इसका नकारात्मक प्रभाव चिंता पैदा करता है। फिर भी कहीं कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कटौती नजर नहीं आती।

संयुक्त राष्ट्र की जलवायु का आकलन करने वाली संस्था ने अपने ताजा अध्ययन में कहा है कि कार्बन उत्सर्जन रोकने के मामले में अगर यही गति बनी रही, तो वैश्विक उत्सर्जन 2030 से पहले ही अपने चरम पर पहुंच जाएगा। इस संस्था का कहना है कि 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में 2019 के मुकाबले महज 2.6 फीसद की कमी आ सकेगी। अगर वैश्विक तपिश को डेढ़ फीसद पर सीमित रखना है तो 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में तेंतालीस फीसद और 2035 तक साठ फीसद की कमी लानी होगी।

पेरिस जलवायु समझौते पर सभी देशों के हस्ताक्षर

दुनिया के लगभग सभी देशों ने पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उसमें जैव ईंधन के उपयोग में कटौती करने, हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने, अक्षय ऊर्जा स्रोतों का विकास करने का संकल्प लिया गया था। उसके बाद से हर वर्ष जलवायु सम्मेलन में इकट्ठा होकर सारे देश नई चुनौतियों से पार पाने के लिए मंथन करते और नए समझौतों पर हस्ताक्षर करते हैं। अब बड़ी चिंता यह है कि अगर बढ़ते वैश्विक ताप पर काबू नहीं पाया गया, तो बहुत सारी वनस्पतियां, जीव प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी, पहाड़ उजड़ जाएंगे, प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाएंगे।

बढ़ती गर्मी और जलवायु में असंतुलन के कारण अनेक नई बीमारियां पैदा होंगी, महामारियों की आशंका बढ़ती जाएगी। मगर विकास की दौड़ में शामिल देश औद्योगिक उत्पादन पर किसी भी रूप में लगाम लगाने को तैयार नहीं हैं। खनिजों की निकासी पर जोर दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में जिन देशों से सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने की उम्मीद की जाती थी, वे कोई न कोई गली निकाल कर इस जिम्मेदारी से बचते देखे जाते हैं। अमेरिका तो पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के कई वर्ष बाद तक इस जिम्मेदारी से बचता रहा।

उत्सर्जन पर काबू पाना कठिन

दरअसल, दुनिया के तमाम विकसित और विकासशील देशों ने विकास का जो माडल अपना रखा है, उसमें कार्बन उत्सर्जन पर काबू पाना कठिन होता गया है। कोई भी देश अपने औद्योगिक विस्तार को रोकना नहीं चाहता। सारी दुनिया में आर्थिक विकास दर बढ़ाने पर जोर है। हालांकि अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ा है, पेट्रोल, डीजल, कोयला आदि की जगह विद्युत चालित वाहनों, उपकरणों का चलन बढ़ रहा है।

शुगर फ्री सूजी की पिन्नी

लाइटों का त्योहार दिवाली आ गया है और इस त्योहार पर लोग तरह-तरह के पकवान तैयार करते हैं। इस फेस्टिवल में सबसे जरूरी होती है मिठाई। हर घर में इस दौरान तरह-तरह की मिठाई आती हैं। लेकिन कुछ लोग शुगर वाली चीजों को खाने से बचते हैं। ऐसे में आप घर पर शुगर फ्री मिठाई तैयार कर सकते हैं। यहां देखिए घर पर शुगर फ्री सूजी की पिन्नी बनाने का तरीका।

सामग्री :

- एक चम्मच बादाम
- एक चम्मच काजू
- आधा कप छुआरा
- आधा कप सूखा नारियल, कटा हुआ
- एक कप घी
- 1/4 कप बेसन
- 1 1/2 कप सूजी
- 3 बड़े चम्मच गोंद
- 2 बड़े चम्मच किशमिश
- 2 बड़े चम्मच तिल
- 2 बड़े चम्मच खसखस
- आधा छोटा चम्मच अदरक पाउडर
- आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- दो कप खोया

विधि :

सबसे पहले एक भारी तले वाले पैन में 2 बड़े चम्मच घी गर्म करें और फिर इसमें बादाम, काजू और छुहारा भून लें। फिर सूखा नारियल भी अच्छी तरह से भून लें। फिर पूरी तरह ठंडा करें और मिक्सर जार में दरदरा पीस लें। अब दोबारा थोड़ा घी गरम करें बेसन को सुनहरा भूरा होने तक भून लें। इसके साथ सूजी को भी भून लें। ध्यान रखें इसे धीमी आंच पर भूनते रहें जब तक आटा खुशबूदार और सुनहरा भूरा न हो जाए। इसके बाद घी में गोंद डालें और गोंद फूलने तक भूनिये। इसके अलावा किशमिश भी डालकर अच्छे से भून लें। अब खोया को भी सुनहरा होने तक भून लें। अब सभी चीजों को एक साथ मिलाएं। इसमें तिल, खसखस, अदरक पाउडर, इलायची पाउडर और तैयार ड्राई फ्रूट पाउडर भी डाल दें। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाएं। अब थोड़ा-थोड़ा मिक्स लें और फिर पिन्नी तैयार करें।

आज का राशिफल

मेष : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ : विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है। आय में निश्चितता रहेगी।

मिथुन : मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। किसी दूसरे के काम में हस्तक्षेप न करें।

कर्क : आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

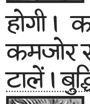
सिंह : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

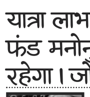
कन्या : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। किसी योजना का तत्काल लाभ नहीं होगा। धन के निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

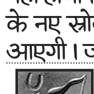
धनु : अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार की गति धीमी रहेगी।

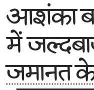
कुंभ : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। धनहानि भी आशंका है।

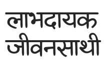
मीन : भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पटाखे जलाते वक्त रहें सावधान

अगर आंख में लग जाए चोट या हो रही है जलन तो डॉक्टर से जानिए जरूरी टिप्स

- दिवाली रोशनी और उत्साह का त्योहार है। मिठाइयां, आतिशबाजी और लोगों का आपस में मेल-जोल इस त्योहार को काफी खास बना देता है। हम अपने घरों को दीपों से रोशन करते हैं, आतिशबाजी करते हैं और एक-दूसरे को उपहार देते हैं।
- दिवाली निःसंदेह बहुत ही अद्भुत त्योहार है, लेकिन इस दौरान बरती गई जरा सी भी लापरवाही आपके लिए कई प्रकार की दिक्कतें बढ़ा सकती है। खान-पान में गड़बड़ी के कारण ब्लड शुगर और वजन बढ़ने का खतरा रहता है, वहीं पटाखों को लेकर बरती गई असावधानी के कारण हाथ जलने और आंखों में चोट लगने जैसे मामले भी देखे जाते रहे हैं।
- पटाखे जलाते समय आंखों को सुरक्षित रखने के लिए उपाय किया जाना बहुत जरूरी हो जाता है। पटाखे की चिंगारी और धुआं आंखों को क्षति पहुंचा सकती है। कई मामलों में आंखों की रोशनी जाने का खतरा भी देखा गया है। आइए जानते हैं कि त्योहार के दौरान आंखों की देखभाल कैसे करें और अगर आंखों में चोट लग जाए तो तुरंत कौन से उपाय किए जाने चाहिए?

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

दिल्ली स्थित एक अस्पताल में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ रविंद्र प्रकाश कहते हैं, पटाखों के धुंआ के कारण आंखों में जलन, लालिमा और खुजली की दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा दिवाली के बाद पटाखों को कारण आंखों में लगने वाली चोट के मरीज भी बढ़ जाते हैं। पटाखों में मौजूद रसायन आंखों को गंभीर क्षति पहुंचा सकते हैं इसलिए सावधानी बरतना बहुत जरूरी है। बच्चों को किसी बड़े के संरक्षण में ही पटाखे जलाने देना चाहिए। पटाखों का धुआं आमतौर पर रात 10 बजे से सुबह 2 बजे के बीच सबसे ज्यादा होता है। अगर संभव हो तो इस दौरान बाहरी गतिविधियों से बचें। पटाखे जलाते समय धूप का चश्मा या गॉगल्स पहनें ताकि प्रदूषकों से बचाव हो सके और आंखों तक पहुंचने वाले कणों से भी बचा जा सके। अगर आपको आंखों में जलन-लालिमा जैसी दिक्कत होती है तो कुछ उपाय करने जरूरी हो जाते हैं।

आंखों को साफ पानी से धोएं

धुएं या पटाखे के कणों के संपर्क में आने के बाद आंखों में जलन हो सकती है। ऐसे स्थिति में साफ पानी से आंखों को धोएं। अगर आपकी आंखों में खुजली या जलन महसूस होती है, तो उन्हें रगड़ने के बजाय धीरे से थपथपाएं। रगड़ने से जलन बढ़ सकती है।

कॉन्टैक्ट लेंस न पहनें

दिवाली के दौरान कॉन्टैक्ट लेंस न पहनें। प्रदूषण के कण और रसायन लेंस के बीच फंस सकते हैं, जिसके कारण जलन होने का खतरा रहता है। कॉन्टैक्ट लेंस पहन रहे हैं तो आंखों को अच्छे से कवर करने वाला चश्मा पहनें। फुलझड़ियां जलाने से बचना चाहिए। इसके कारण आंखों को गंभीर चोट पहुंचने का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

ज्यादा दिक्कत महसूस होने पर डॉक्टर से मिलें

पटाखे जलाते समय यदि आपकी आंखों में चोट लग जाए या पटाखों के धुएं और रसायनों के कारण आंखों में जलन-खुजली बहुत ज्यादा हो रही हो तो बताए गए उपाय करें। यदि इनसे आराम न मिले तो बिना समय गंवाए नजदीकी डॉक्टर के पास जाएं। खुद से ही किसी भी प्रकार का आई ड्रॉप डालने से बचें। यदि आंखों में चोट लगी है और भले ही दर्द कम हो जाए फिर भी आंखों की जांच जरूर कराएं। आंखों की अंदरूनी चोट का तुरंत पता नहीं चलता है, परंतु भविष्य में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

खील और बताशे में मिलावट की करें पहचान

रंग और बनावट

असली खील ज्यादातर समय सफेद या ऑफ-व्हाइट कलर का देखने को मिलता है। जिसकी बनावट फूली हुई होती है। जबकि हल्के भूरे या पीले रंग के खील पुराने हो सकते हैं। इसके अलावा जो खील देखने में बहुत ज्यादा चमकदार लग रहे हों, उन्हें भी खरीदने से बचना चाहिए। ऐसे खील को बाजार में लाने से पहले उन्हें ब्लीच किया जाता है, जो आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

फ्रेश खील की पहचान

फ्रेश खील हमेशा वजन में हल्की और खाने में कुरकुरी होगी। जबकि बासी खील का स्वाद हल्का कड़वा और सीली हुई हो सकती है। जो स्वा में बिल्कुल अच्छी नहीं लगती है।

खील की खुशबू

फ्रेश खील ना सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है बल्कि उसमें से कोई स्मेल भी नहीं आती है। जबकि पुरानी और बासी खील से अजीब सी गंध आती है। जो उसी खराब गुणवत्ता और स्वाद की पहचान होती है।

मिलावटी बताशा की पहचान करने के टिप्स

जाल वाली बनावट

असली बताशा पहचानने का ये आसान टिप्स शायद ही ज्यादातर लोगों को पता होगा। आपको बता दें, जब कभी आप बाजार से बताशा खरीदने के लिए जाएं तो उसकी बनावट पर जरूर ध्यान दें। असली बताशा में हमेशा जाल जैसी बनावट होती है।

रंग और साइज

असली बताशा रंग में सफेद और आकार में थोड़ा असमान होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये बताशे चीनी से बने होने की वजह से क्रिस्टलाइज होकर एक जैसे शेप में नहीं बनते। अगर आपको बाजार में एक जैसे आकार और रंग में बिल्कुल सफेद बताशे दिख रहे हैं तो समझ जाएं इन्हें बनाते समय इनमें केमिकल की मिलावट की गई है।

कठोर बताशा

अगर बताशा मुंह में डालते ही बिना कोई अवशेष छोड़े आसानी से घुल जाए तो यह असली है। लेकिन बताशा अगर मिलावटी है तो यह खाने में कठोर लग सकता है। ऐसे बताशों में कॉर्नस्टार्च जैसे एडिटिव्स की मिलावट हो सकती है।

स्वाद

असली और नकली बताशे, स्वाद में दोनों मीठे होते हैं। लेकिन इनके मीठे स्वाद में भी आप आसानी से फर्क कर सकते हैं। नकली बताशा खाने पर मुंह में मिठास के साथ केमिकल जैसा स्वाद छोड़ता है। जबकि असली बताशे में ऐसा नहीं होता है।

चावल में लग जाते हैं कीड़े

तो आजमाएं ये घरेलू उपाय

सालों तक नहीं होंगे खराब

चावल के शौकीन आपको बहुत मिलेंगे, लेकिन इसे स्टोर करने का सही तरीका कोई नहीं जानता होगा. आप चावल को ताजा और कीड़ों से दूर रख सकते हैं. अगर आप भी इन कीड़ों को दूर करने के लिए हर तरीका अपनाकर थक चुके हैं, तो यहां हम आपको चावल को कीड़े लगने से बचाने के लिए ऐसे टिप्स बताएंगे जिससे आप इन्हें सालभर आराम से स्टोर कर पाएंगे.

नीम का पत्ता

कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा बताते हैं कि नीम के पत्तों में कई औषधीय गुण होते हैं और यह प्राकृतिक कीटनाशक का काम करते हैं. नीम की कड़वी सुगंध कीटों को दूर रखती है. चावल को कीड़ों से बचाने के लिए, 10-15 नीम के पत्तों को चावल के डिब्बे में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रख दें.

लौंग

उन्होंने बताया कि लौंग का इस्तेमाल भी चावल को कीड़ों से बचाने में काफी कारगर है. लौंग की तेज सुगंध कीटों और चींटियों को दूर भगाने में सहायक होती है. चावल के कंटेनर में कुछ लौंग डालने से आप कीड़ों और अन्य छोटे कीटों से सुरक्षा प्राप्त कर सकते हैं. लौंग न केवल चावल को सुरक्षित रखती है, बल्कि इसके उपयोग से चावल की खुशबू भी बढ़ जाती है.

तेज पत्ता

किसी डिश के जायके में चार चांद लगाने वाला तेज पत्ता चावल को कीड़ों से बचाने में भी सुपरहीरो है. अगर आप भी इन कीड़ों से परेशान हैं तो अपने राइस कंटेनर्स में कुछ तेज पत्ता की पत्तियां डालकर देखिए, कीड़े इनसे दूर भागेंगे और आपके चावल पूरे साल सुरक्षित बने रहेंगे.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

सांप का कुचला फन, एक घंटे में ही नागिन ने लिया नाग की मौत का बदला, युवक को डसा

बरेली. नाग की मौत के बाद नागिन का बदला आपने फिल्मों और कहानियों में तो सुना ही होगा, लेकिन यूपी के बरेली जिले से हकीकत में ऐसा मामला सामने आया है। यहां खेत पर निकले एक सांप (नाग) को युवक ने मार डाला। युवक ने सांप का फन बुरी तरह से कुचल दिया। इसके एक घंटे बाद ही (नागिन) ने उसके हाथ में डंस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामला क्यारा क्षेत्र का है। यहां का रहने वाला गोविंद कश्यप (32) खेतों में मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह वह गांव निवासी अतुल सिंह के खेत में धान की कटाई के बाद पुआल इकट्ठा कर रहा था। इसी दौरान एक सांप निकल गया। सांप फन उठाकर बैठ गया। सांप को देखते ही गोविंद ने लाठी से उसे पीट शुरू कर दिया। गोविंद ने सांप का बुरी तरह से फन कुचलकर उसे मार डाला। इसके बाद मरने हुए सांप को छोड़कर वह खाना खाने चला गया। कुछ देर बाद दूसरा सांप आया जो नागिन बताई जा रही है, मरे हुए सांप के पास बैठ गई। करीब एक घंटे बाद गोविंद जब वापस खेत पर लौटा तो नागिन ने गोविंद के हाथ में डसकर नाग की मौत का बदला ले लिया।

17 दिन पहले जन्मी अपनी बेटी को गला दबाकर मार डाला, लाश लेकर पहुंचा थाने

सोनभद्र. सोनभद्र में एक शख्स ने 17 दिन पहले ही जन्मी अपनी बच्ची को गला दबाकर मार डाला। बेटी की हत्या के बाद उसकी लाश को लेकर वह खुद ही थाने पहुंचा। उस शख्स ने अपनी मासूम और निर्दोष बेटी की हत्या की जो वजह बताई उसे सुन पुलिसवाले भी हैरान रह गए। इस कलियुगी पिता ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ बच्ची को लेकर इलाज के लिए डॉक्टर के पास जा रहा था। रास्ते में किसी बात पर उसका पत्नी से झगड़ा हो गया। इससे उसे इतना गुस्सा आ गया कि उसने पत्नी की गोद से छीनकर बच्ची का गला दबा दिया और उसकी मौत हो गई। यह घटना, सोनभद्र के हाथीनाला थाना क्षेत्र की है।

बच्चे को निवाला बनाने वाला तेंदुआ 24 दिन बाद पकड़ा, वन विभाग के पिंजरे में हुआ कैद

पिछले एक महीने की कवायद के बाद लखीमपुर में वन विभाग के लगाए पिंजरे में मंगलवार की सुबह नर तेंदुआ कैद हो गया। इस क्षेत्र में पांच अक्तूबर की रात पिता के साथ जा रहे बच्चे को तेंदुए ने मार डाला था। तभी से उसे पकड़ने की कवायद चल रही थी। पिंजरे में कैद तेंदुआ परीक्षण में स्वस्थ पाया गया। उसे दुधवा के जंगल में छोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। दक्षिण खीरी वन प्रभाग की शारदानगर वन रेंज में आबादी के आसपास घूम रहा तेंदुआ मंगलवार सुबह पिंजरे में कैद हो गया। शारदानगर वन क्षेत्र में मौजूदा समय में चार जगहों पर पिंजरा लगाकर उसे पकड़ने का अभियान चल रहा था। डीएफओ संजय विश्वाल ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ नर है और इसकी उम्र पांच साल पाई गई है। कर्तानिया घाट के डॉ. दीपक ने तेंदुए का परीक्षण किया और शरीरिक तौर पर ठीक निकलने पर उसे दुधवा के जंगल में छोड़ने का निर्णय किया गया है।

महाराष्ट्र में भाजपा के 148, कांग्रेस के 102 प्रत्याशी

शिंदे ने 80, अजित ने 53 उम्मीदवार उतारे; उद्धव गुट के 89, शरद गुट के 87 कैंडिडेट

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन की समयसीमा खत्म होने के साथ ही चुनावी तस्वीर साफ हो गई। शिवसेना और NCP में बगावत के चलते इस बार 6 बड़े दल मैदान में हैं। यही कारण है कि बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं।

अब सबकी निगाह नाम वापसी की अंतिम तारीख (4 नवंबर) पर है। उसके बाद पता चलेगा कि लड़ाई कैसी होगी। इस बार 7,995 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। आखिरी दिन 4,996 ने पर्चे भरे।

महायुति और MVA ने नामांकन खत्म होने के बाद भी सीट बंटवारे का फॉर्मूला नहीं बताया।

प्रत्याशी देखें तो महायुति में 148 उम्मीदवारों के साथ भाजपा और MVA में 103 के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है।

दोनों पार्टियां 2019 के विधानसभा चुनाव से कम सीटों पर लड़ रही हैं। भाजपा ने पिछली बार 164 तो कांग्रेस ने 147 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे।

वहीं, शिवसेना-शिंदे ने 80, NCP-अजित ने 53, शिवसेना-उद्धव ने 89, NCP- शरद ने 87 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं। पिछले चुनाव में शिवसेना (अविभाजित) और NCP (अविभाजित) 124-124 सीटों पर लड़ी थीं।

इन सबके अलावा इस बार महायुति ने 5 सीटें सहयोगी पार्टियों के लिए छोड़ी हैं। दूसरी तरफ MVA के छोटे सहयोगी दल 6 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। महायुति की 2 और MVA की 3 सीटों पर अभी भी स्थिति साफ नहीं है।

6 पार्टियां चुनाव मैदान में, लगभग हर सीट पर बागी

शिवसेना और NCP में बगावत के चलते इस बार छह बड़े दल मैदान में हैं। इसी वजह से बागी भी ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग हर सीट पर बागी हैं। सबकी निगाह अब नाम वापसी की आखिरी तारीख, 4 नवंबर पर है। उसके बाद ही पता चलेगा कि लड़ाई कैसी होगी।

सीट शेयरिंग फॉर्मूला

कुल सीटें- 288

महायुति		महाविकास अघाड़ी	
भाजपा	148	कांग्रेस	103
शिवसेना (शिंदे)	80	शिवसेना (उद्धव)	89
NCP (अजित)	53	NCP (शरद)	87
सहयोगी दल	5	सहयोगी दल	6

नोट- महायुति की 2 सीटों पर स्थिति साफ नहीं।
MVA की 3 सीटों पर स्थिति साफ नहीं।

नाम वापसी	वोटिंग	रिजल्ट
4 नवंबर	20 नवंबर	23 नवंबर

पीछे हट गई चीन की सेना

- अब दिवाली पर कराएंगे मुंह मीठा
- सेना ने बताया सीमा का हाल

नई दिल्ली. भारत और चीन की सेनाएं लद्दाख में मोर्चे से पीछे हट गई हैं। अब दोनों देशों की सेनाएं अपनी उन परंपरागत चौंकियों पर ही तैनात रहेंगी, जहां 2020 में हुई झड़प से पहले होती थीं। सेना के सूत्रों ने कहा कि अब सीमा पर नियमित पेट्रोलिंग ही होगी। यह कदम दोनों देशों के बीच शांति काल की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। सैन्य सूत्रों ने कहा कि दोनों सेनाएं गुरुवार को दिवाली के मौके पर एक-दूसरे को मिठाई देंगी। पूर्वी लद्दाख में देपसांग और डेमचोक में दोनों देशों की सेनाएं पीछे हट गई हैं।

सेना के सूत्रों ने कहा कि दोनों सेनाओं के बीच कमांडर लेवल की बातचीत आगे भी जारी रहेगी। फिलहाल तनाव समाप्त हो गया है और दोनों देशों की चौकियां परंपरागत स्थानों पर पहले की तरह रहेंगी। इस तरह करीब 4 साल के बाद चीन और भारत के बीच सीमा पर हालात सामान्य हुए हैं। माना जा रहा है कि आगे दोनों देशों के रिश्ते थोड़े और सामान्य हो सकते हैं। भारत ने 2020 में हुई झड़प के बाद कड़ा ऐक्शन लेते हुए कई चीनी कंपनियों पर पाबंदी लगा दी थी। इसके अलावा कई सेक्टरों में निवेश को भी नियंत्रित किया गया था।

जीन्स टीशर्ट पहनते हैं उदयनिधि स्टालिन

डिप्टी CM के कपड़ों के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका

चेन्नई. तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के कपड़ों को लेकर मद्रास हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल हुई है। याचिका में स्टालिन के आधिकारिक कार्यक्रमों में जीन्स और टीशर्ट पहनने का जिक्र किया गया है। इस संबंध में उच्च न्यायालय की तरफ से राज्य सरकार को नोटिस भी जारी किया गया है। हाल ही में उन्हें राज्य का डिप्टी सीएम बनाया गया है।

जनहित याचिका वकील एम सत्य कुमार की तरफ से दाखिल की गई है, जिसपर जस्टिस डी कृष्णकुमार और जस्टिस पीबी बालाजी की बेंच सुनवाई कर रही थी। याचिका में दावा किया गया है कि आधिकारिक कार्यक्रमों में 'टी शर्ट और जीन्स और कैजुअल फुटवेयर' पहनकर स्टालिन राज्य सरकार के 2019 के आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं।

हाईकोर्ट की बेंच ने राज्य सरकार से एक सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। साथ ही कोर्ट ने एडवोकेट जनरल पीएस रमन से यह भी साफ करने के लिए कहा है कि क्या राज्य में राजनेताओं को लेकर तय ड्रेस कोड का सरकारी आदेश है या नहीं। जनहित याचिका में यह भी कहा गया है कि उदयनिधि की टीशर्ट पर कई बार डीएमके का चिह्न भी होता है।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट को यह भी बताया गया है कि सरकारी बैठकों में किसी विशेष राजनीतिक दल के चिह्न का प्रदर्शन जनता के सेवक की तरफ से किए जाने पर रोक है।

जौनपुर में ताइक्वांडो खिलाड़ी का सिर तलवार से काटा

- मां बेटे का सिर सीने से लगाकर रोती रही
- गुस्साए लोग सड़क पर उतरे
- लेखपाल निलंबित

जौनपुर. जौनपुर में 16 साल के ताइक्वांडो खिलाड़ी की हत्या कर दी गई। उसका सिर तलवार से काटकर अलग कर दिया। बुधवार सुबह अनुराग यादव घर के बाहर ब्रश कर रहा था, तभी पड़ोसी युवक तलवार लेकर आ गया।

अनुराग बचने के लिए भागा तो आरोपी पीछे दौड़ा। तलवार के एक वार से सिर धड़ से अलग कर दिया। बेटे की चीख सुनकर मां दौड़ती हुई बाहर आई तो बेटे का सिर कटा धड़ देखकर बेहोश हो गई। कुछ पल बाद होश आया तो बेटे का सिर सीने से लगाकर रोती रही। धड़ सड़क पर पड़ा रहा। पुलिस ने पड़ोसी बाप और बेटे को गिरफ्तार कर लिया। मामले में लेखपाल जगदीश यादव को निलंबित कर दिया गया है। कानूनगो मुनिलाल यादव के खिलाफ जांच बैठाई गई है। वारदात जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर गौराबादशाहपुर थाना के कबीरूद्दीनपुर गांव की है। घटना के बाद गुस्साए लोग सड़क पर उतर गए और प्रदर्शन किया। फिलहाल, कई थानों की फोर्स मौके पर तैनात है। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद में हत्याकांड हुआ है।

अनुराग ने ताइक्वांडो में हाल ही में नोएडा में हुई ओपन नेशनल में सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा, इंडो-नेपाल इंटरनेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक जीता था।

इकलौता बेटा था अनुराग

अनुराग यादव घर का इकलौता बेटा था। उसकी पांच बहनें हैं। वह राज कॉलेज इंटर में 12वीं में पढ़ता था। ग्राम प्रधान वीरेन्द्र यादव ने बताया- ग्राम समाज की एक जमीन है। दो पक्षों में 40 साल से इसी जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। शनिवार को ग्राम समाज की जमीन पर उगी घास को अनुराग छिल रहा था, तभी आरोपी लालता यादव और उसका बेटा रमेश यादव पहुंचे। दोनों की अनुराग से कहासुनी हुई थी, पड़ोसियों ने मामला शांत करवा दिया था। आज अनुराग ब्रश कर रहा था, तभी बाप-बेटे पहुंचे। उन्होंने अनुराग को दौड़ा लिया। रमेश ने अनुराग का गला काट दिया।

वक्फ बिल कमेटी 5 राज्यों का दौरा करेगी

- समय पर रिपोर्ट आए इसलिए यह फैसला
- विंटर सेशन में पहले हफ्ते के आखिरी दिन रिपोर्ट देनी है

नई दिल्ली. वक्फ बिल पर बनी ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (JPC) अगले सप्ताह 5 राज्यों का दौरा करेगी। कमेटी तय समय पर रिपोर्ट पेश कर सके इसलिए यह फैसला लिया गया है। हालांकि, ऐसे कई उदाहरण हैं जब कमेटियों की रिपोर्ट पेश करने की तारीख आगे बढ़ाई गई हो। लेकिन कमेटी अध्यक्ष भाजपा सांसद जगदंबिका पाल तय समय सीमा के भीतर रिपोर्ट पेश करना चाहते हैं।

JPC के सदस्य इन पांच राज्यों की राजधानी में उनके अल्पसंख्यक मामलों के विभाग, कानून विभाग, अल्पसंख्यक आयोग और वक्फ बोर्ड के साथ बातचीत करेगी। वह बार काउंसिल और मुत्तवल्ली संघों सहित अन्य स्टेकहोल्डर्स से भी मुलाकात करेगी।

कमेटी 9 नवंबर को असम की राजधानी गुवाहाटी से अपना दौरा शुरू करेगी। इसके बाद 11 नवंबर को भुवनेश्वर (ओडिशा), 12 नवंबर को कोलकाता (पश्चिम बंगाल), 13 नवंबर को पटना (बिहार) और 14 नवंबर को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) जाएगी।

इससे पहले 4-5 नवंबर को मुस्लिम महिलाओं, शिक्षाविदों, वकीलों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के साथ दिल्ली में भी बैठक होगी। कमेटी को संसद के विंटर सेशन में पहले सप्ताह के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। विंटर सेशन अगले महीने 25 नवंबर से शुरू हो रहा है।

प्रेम प्रसंग में 5 की मौत, 4 घायल

- तीन परिवार आपस में भिड़े
- सोते समय हमला किया
- एक्सट्रामैरिटल अफेयर वजह बना

सुंदरगढ़. ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के करमाडीही गांव में 29 अक्टूबर की देर रात 3 परिवारों में झड़प हो गई। इसमें 5 लोगों की मौत और 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं एक महिला और चार बच्चे लापता है। पुलिस को शक है कि उनका अपहरण हुआ है।

पुलिस के मुताबिक झड़प का कारण एक्सट्रामैरिटल अफेयर है। मारपीट में चाकू और रॉड का इस्तेमाल भी हुआ है। पुलिस ने आरोपियों को खोज शुरू कर दी है। तनाव को देखते हुए घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

मृतकों में 3 महिलाएं, घायलों में 3 नाबालिग

पांच मृतकों की पहचान छमा भोला (25), पुंडी पवार (65), सुभाष पवार, चनम कुमार भोंसले (40), भुक्या कैला (56) के रूप में हुई है। मृतक में 3 महिलाएं हैं। वही घायलों में तीन नाबालिग शामिल हैं जिन्हें सुंदरगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक तीनों समुदाय 4-5 दिन पहले ही महाराष्ट्र के वर्धा, झारखंड के धनबाद और बिहार के छपरा से सुंदरगढ़ आए थे। वर्धा से आए परिवार के अविनाश पवार ने शिकायत में कहा कि वे लोग मंगलवार रात करीब 10.30 बजे सो रहे थे। तभी उन हमला किया गया। इसमें अविनाश भी घायल हो गया।

साइबर अपराधियों के निशाने पर भारत

- हो सकते हैं 17 ट्रिलियन हमले
- बांग्लादेश हो चुका है शिकार

नई दिल्ली. देश पर साइबर हमलों के लगातार बढ़ते खतरे को लेकर विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में आगाह किया गया कि अगर इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो 2033 तक भारत पर एक ट्रिलियन साइबर हमले हो सकते हैं। इसके अलावा, 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक यह संख्या 17 ट्रिलियन तक पहुंच सकती है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, गैर-लाभकारी संस्था प्रहार द्वारा जारी की गई रिपोर्ट 'द इनविजिबल हैंड' में साइबर चुनौतियों का जिक्र किया गया है।

रिपोर्ट में देश के महत्वपूर्ण ढांचे पर होने वाले हमलों और नागरिकों के दुरुपयोग की संभावनाओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। 2023 में भारत ने 79 मिलियन से अधिक साइबर हमलों का सामना किया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15% अधिक थे और यह संख्या 2024 के पहले तीन महीनों में 500 मिलियन तक पहुंच गई। हाल के आंकड़ों के अनुसार, 2024 की दूसरी तिमाही में साइबर हमलों में 46% की वृद्धि दर्ज की गई। इस बढ़ती चुनौती को देखते हुए विशेषज्ञों ने एक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति की आवश्यकता पर जोर दिया है।

प्रहार के अध्यक्ष अभय मिश्रा ने कहा कि साइबर हमले दो प्रकार के होते हैं - एक, पारंपरिक हैकर्स द्वारा प्रणालीगत खामियों का लाभ उठाकर आर्थिक या व्यवधान का उद्देश्य और दूसरा, नागरिकों का मनोवैज्ञानिक दुरुपयोग। उन्होंने कहा कि गैरकानूनी सट्टेबाजी ऐप्स के जरिए नागरिकों को देशविरोधी गतिविधियों में लिप्त करने के प्रयास किए जाते हैं। उन्होंने कहा, “बांग्लादेश में भी इस प्रकार की रणनीतियां अपनाई गई हैं, जहां नागरिकों को ही सरकारी संस्थानों के खिलाफ भड़काने की कोशिशें की गईं।

मुंबई टेस्ट में पहले दिन से टर्न देखने को मिलेगा

- भारतीय टीम ऐसी ही पिच चाहती है
- 1 नवंबर से तीसरा टेस्ट मैच

मुंबई टेस्ट में पहले दिन से स्पिनर्स का दबदबा देखने को मिलेगा। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए रैंक-टर्नर (पहले दिन से स्पिनर्स के लिए मददगार) पिच की मांग की है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट आजमाए हुए फॉर्मूले पर चलना चाहता है। बता दें कि भारतीय टीम ने पुणे टेस्ट के लिए भी स्पिन फ्रेंडली पिच बनवाई थी, लेकिन टीम इंडिया को 113 रन की पराजय झेलनी पड़ी थी। टीम इंडिया 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से पिछड़ रही है।

कैसा बिहेव करेगी वानखेड़े की पिच...

पुणे में रैंक टर्नर नहीं, स्लो टर्निंग पिच बनी थी एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, 'यह

रैंक टर्नर पिच होगी। टीम प्रबंधन ने ऐसी पिच तैयार करने का अनुरोध किया है, जो पहले दिन से ही स्पिनर्स की मदद कर सके। ऐसा लगता है कि टीम आजमाए हुए फॉर्मूले पर चलना चाहती है।'

वानखेड़े में बैटिंग करना कठिन होगा वानखेड़े की पिच पर बल्लेबाजी करना कठिन होगा। क्योंकि लाल मिट्टी से बनी इस पिच पर स्पिन और उछाल का मिश्रण देखने को मिलेगा। असामान्य उछाल बल्लेबाजों को परेशान कर सकता है।

समुद्री हवाएं मूवमेंट में मददगार 29 अक्टूबर तक पिच में घास नहीं थी। यहां ग्राउंड स्टाफ नियमित रूप से स्प्रिंकलर से पानी छोड़ रहा है। साथ ही पिच को सुखाने के लिए खुला छोड़ा गया है। मुकाबले के पहले सेशन में स्पिनर्स को टर्न मिल सकता है। तेज गेंदबाजों को भी थोड़ा मूवमेंट मिलेगा।

हैदराबाद में मोमोस खाने से महिला की मौत

20 लोगों को फूड पॉइजनिंग; वेंडर्स के पास फूड सेफ्टी लाइसेंस नहीं था

हैदराबाद. हैदराबाद में स्ट्रीट वेंडर के यहां से मोमोस खाने के कारण एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बंजारा हिल्स इलाके में रहने वाली 33 साल की रेशमा बेगम और उनके 2 बच्चों ने खैरताबाद के मोमोस स्टॉल से 25 अक्टूबर को मोमोस खाए थे।

कुछ देर बाद तीनों को डायरिया, पेट में दर्द और उल्टी होने लगी। 27 अक्टूबर को इलाज के दौरान रेशमा की मौत हो गई। उनके बच्चों का अभी-भी इलाज चल रहा है।

रेशमा सिंगल मदर थीं। उनके बच्चों की उम्र 12 साल और 14 साल है। NDTV की रिपोर्ट के मुताबिक, 20 अन्य लोगों को भी इसी मोमोस स्टॉल वालों की वजह से फूड पॉइजनिंग हुई। पुलिस ने बताया कि इन 20 में से 15 मामलों की शिकायत मंगलवार को दर्ज की गई। रेशमा बेगम के परिवार की शिकायत दर्ज होने के बाद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के फूड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट और पुलिस ने मोमोस का स्टॉल चलाने वाले 2 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मामला करते हुए बताया कि वेंडर्स के पास फूड सेफ्टी लाइसेंस नहीं था।

पुलिस बोली- वेंडर ने साफ-सफाई नहीं रखी

पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला है कि मोमोज बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया आटा बिना किसी पैकिंग के फ्रिज में रखा गया था। वेंडर ने साफ-सफाई भी नहीं रखी थी। फ्रिज का दरवाजा भी टूटा हुआ था, जिसकी वजह से फ्रिज में वह टेम्परेचर नहीं बन पा रहा था, जो मैदे के आटे को फ्रेश बनाए रखने के लिए जरूरी था। पुलिस ने बताया कि वेंडर के पास से अलग-अलग सैंपल लेकर टेस्टिंग के लिए लैब भेजा गया है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि फूड पॉइजनिंग मोमोस में डलने वाली किस चीज के कारण हुई।

बंगाल में डॉक्टर ने पेशेंट से कई बार रेप किया

बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर अश्लील तस्वीरें खीचीं; ब्लैकमेल कर 4 लाख मांगे

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले में एक प्राइवेट डॉक्टर पर महिला पेशेंट से कई बार रेप करने का आरोप लगा है। मामला हसनाबाद इलाके का है। पीड़ित का कहना है कि वह डॉ. नूर आलम सरदार के क्लिनिक में इलाज के लिए गई थी। डॉक्टर ने उन्हें बेहोशी का इंजेक्शन लगाने के बाद रेप किया।

डॉक्टर ने बेहोशी की हालत में विक्टिम महिला को ब्लैकमेल करने के लिए उनकी अश्लील तस्वीरें भी खीचीं। इसके बाद फोटो वायरल करने की धमकी देकर 4 लाख रुपए मांगे। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। FIR के कुछ ही घंटों बाद आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टर ने महिला से कई बार रेप किया था।

महिला इंजेक्शन नहीं लगवाना चाहती थी

महिला नॉर्थ 24 परगना के हसनाबाद इलाके में अकेले रहती हैं। उनके पति विदेश में रहते हैं। महिला ने अपने पति को रेप की घटना के बारे में फोन पर बताया। पति के भारत लौटने के बाद ही दोनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पति ने बताया कि उनकी पत्नी इंजेक्शन नहीं लगवाना चाहती थी, लेकिन डॉक्टर ने कहा था कि इंजेक्शन लगवाने से रिकवरी जल्दी होगी। इंजेक्शन लगने के वह बेहोश होने लगी। डॉक्टर ने उन्हें कहा कि आप बेड पर लेट जाइए। होश आया तो उन्होंने देखा कि उन्होंने कपड़े सही तरह से पहने हुए नहीं थे। उन्हें पता चल गया था कि उनके साथ रेप हुआ है।

जगन की मां बोलीं- बेटी के साथ नाइंसाफी हुई

- मेरे लिए सभी बच्चे बराबर
- पूर्व CM-बहन के बीच शेयर
- 20 एकड़ जमीन पर विवाद

आंध्र प्रदेश के पूर्व CM जगन मोहन रेड्डी और उनकी बहन वाईएस शर्मिला के बीच करोड़ों की विरासत को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच उनकी मां विजयम्मा ने अपनी बेटी के समर्थन में एक ओपन लेटर लिखा।

जगन की मां लिखती हैं कि उनके लिए सभी बच्चे बराबर हैं, लेकिन बेटी के साथ नाइंसाफी हो रही है। जगन को याद रखना चाहिए कि उन्हें राजनीति में सफल बनाने वाली उनकी बहन शर्मिला ही हैं।

दरअसल भाई-बहन के बीच कंपनियों के शेयर और बेंगलुरु के पास स्थित येलहंका में 20 एकड़ जमीन को लेकर खींचतान जारी है। इनकी कीमत करोड़ों में मानी जाती है। जगन मोहन रेड्डी की पार्टी YSRCP ने विजयम्मा के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि जगन रेड्डी ने कभी भी संपत्ति वापस नहीं मांगी। वाईएस जगन ने सद्भावना के कारण अपनी संपत्ति अपनी बहन शर्मिला के साथ शेयर की है। वह जगन के किसी भी बिजनेस में डायरेक्टर नहीं हैं। जगन ने शर्मिला के साथ व्यवहार में दयालुता रखी, जैसा कि कोई भी भाई करता है। पिता राजशेखर रेड्डी ने पहले ही शर्मिला और जगन को संपत्ति ट्रांसफर कर दी थी। जगन ने कभी भी उन संपत्तियों को वापस नहीं मांगा।

जानिए, भाई-बहन के बीच विवाद क्या है

दरअसल जगन रेड्डी और बहन शर्मिला के बीच ताजा विवाद कंपनी के शेयरों के अवैध ट्रांसफर से जुड़ा है। जगन ने इसके लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT) में शिकायत दर्ज की है। जगन की ओर से दायर याचिका में शर्मिला, उनकी मां विजयम्मा और दो अन्य पर जुलाई 2024 में सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के शेयरों को अवैध रूप से ट्रांसफर करने का आरोप है।

संक्षेप...

भिवंडी में 21 लाख का गुटखा बरामद, वाहन चालक गिरफ्तार

भिवंडी. भिवंडी शांतिनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 21 लाख से अधिक कीमत का गुटखा के साथ टेंपो जब्त किया लिया है। पुलिस ने इस मामले में वाहन चालक मोहसीन कल्हन खान को गिरफ्तार किया है। गुजरात राज्य वापी से प्रतिबंधित गुटखा लेकर भिवंडी में बेचने के लिए आया था। चुनाव की पृष्टभूमि को ध्यान में रखकर पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर कड़ी नजर रखे हुए है। भादवड़ नाके पर पुलिस ने संदिग्ध टेंपो को रोककर तलाशी लेते हुए पाया कि उसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित विमल पान मसाला और तंबाकू रखा गया है। पुलिस द्वारा जब छापेमारी की गई तो टेंपो में मौजूद एक अन्य व्यक्ति रामू मौके से फरार हो गया।

सलमान को फिर मिली धमकी

मुंबई ट्रैफिक पुलिस को मिला मैसेज, 2 करोड़ की फिरौती की मांग

मुंबई. बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को एक बार फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बार धमकी देने वाले ने 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को मिली इस धमकी में कहा गया है कि पैसे न देने पर अभिनेता की जान ले ली जाएगी। मैसेज मिलने के बाद वर्ली में मौजूद अधिकारियों ने मैसेज भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब मुंबई पुलिस ने सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने और उनसे दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में एक व्यक्ति को मुंबई के बांद्रा इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

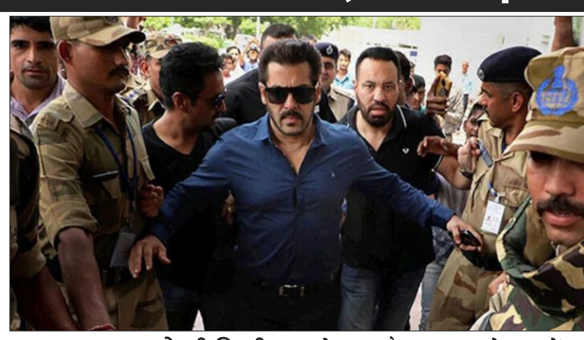

25 अक्टूबर को भी मिली थी धमकी

5 दिन पहले भी सलमान को इसी तरीके से जान से मारने की धमकी दी गई थी। आरोपी को मंगलवार को मुंबई पुलिस ने नोएडा से गिरफ्तार किया। इसकी पहचान मोहम्मद तैयब (20) के रूप में हुई है। ACP नोएडा प्रवीण कुमार सिंह ने बताया- आरोपी को सूरजपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहां से मुंबई पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर लेकर जाएगी। तैय्यब ने 25 अक्टूबर की शाम NCP नेता बाब सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी के बांद्रा ऑफिस में मैसेज भेजा था। इसमें फिरौती न देने पर सलमान खान और जीशान को जान से मारने की धमकी दी गई थी। जीशान के एक कर्मचारी ने पुलिस में FIR दर्ज कराई थी। इससे पहले बाबा सिद्दीकी के मर्डर (12 अक्टूबर) के 6 दिन बाद भी सलमान को जान से मारने की धमकी मिली थी। यह धमकी मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम को वॉट्सऐप मैसेज के जरिए भेजी गई। धमकाने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का मेंबर बताया था। मुंबई पुलिस के मुताबिक, धमकी भरी मैसेज में लिखा था- इसे हल्के में मत लीजिए। सलमान खान को जिंदा रहना है और उसे लॉरेंस से दुश्मनी खत्म करनी है तो उसे 5 करोड़ रुपए देने होंगे।

भिवंडी पूर्व में 17 और भिवंडी पश्चिम में 23 प्रत्याशी मैदान में

भिवंडी पूर्व में 6 और भिवंडी पश्चिम में 10 नामांकन रद्द

भिवंडी. आगामी 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव की खातिर भिवंडी पूर्व विधानसभा सीट से 23 एवं भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट से 33 प्रत्याशियों ने चुनाव निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल किया गया था, जिनमें से बुधवार को छंटनी के बाद भिवंडी पूर्व में 6 नामांकन रद्द होने के बाद 17 और भिवंडी पश्चिम में 10 नामांकन रद्द होने के बाद 23 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं. 4 नवंबर को नामांकन वापसी के बाद प्रत्याशियों की आखिरी लिस्ट सामने आने पर प्रत्याशियों की कुल शेष संख्या का खुलासा हो सकेगा.

भिवंडी पूर्व विधानसभा सीट पर महाविकास आघाड़ी के प्रत्याशी के रूप में 5 वर्षों तक विधायक रहे रईस शेख दुबारा पर्चा दाखिल कर मैदान में हैं.शिवसेना शिंदे गट से तेजतर्रार पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी सीएम शिंदे का धनुष बाण लेकर मैदान में उतरे हैं. ठाकरे गट से पूर्व शिवसेनावविधायक रुपेश म्हात्रे भी निर्दलीय के तौर पर पर्चा दाखिल कर महाविकास आघाड़ी में बिगाड़ी करने का मूड बनाए हैं.मनसे से मनोज गुलवी ने पर्चा दाखिल किया है.भिवंडी पश्चिम विधानसभा सीट पर महागठबंधन में होने के बावजूद सपा प्रत्याशी उतारकर कांग्रेस प्रत्याशी की राह कठिन कर फ्रेंडली फाइट को तैयार है. 2014 से लगातार 2 बार भाजपा से विधायक रहे महेश चौगुले के सामने कांग्रेस से दयानंद चोरघे, सपा साइकिल से रियाज आजमी और कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर अपक्ष प्रत्याशी के रूप में पूर्व महापौर विलास आर पाटिल एवं एमआईएम से भायखला के पूर्व विधायक वारिस पठान चुनाव मैदान में भाग्य आजमाने खड़े हैं. राजनीतिक सूत्रों की माने तो चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल किए हुए अधिसंख्यक प्रत्याशी नाम वापस लेंगे.

ड्रोन के इस्तेमाल पर एक माह का अस्थायी प्रतिबंध

मुंबई. मुंबई पुलिस ने मंगलवार को एक आधिकारिक आदेश में कहा कि सभी प्रकार के ड्रोन, पैराग्लाइडर, रिमोट-कंट्रोल माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट और हॉट एयर बैलून के इस्तेमाल पर एक महीने के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत एक निषेधाज्ञा जारी की, जिसमें कहा गया कि यह 31 अक्टूबर से 29 नवंबर तक लागू रहेगी। आदेश में कहा गया है, ङ्घयह संभावना है कि आतंकवादी/राष्ट्र-विरोधी तत्व अपने हमलों में ड्रोन, रिमोट कंट्रोल माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट और पैरा-ग्लाइडर का इस्तेमाल कर सकते हैं और इस तरह वीवीआईपी को निशाना बना सकते हैं. बड़े पैमाने पर लोगों के जीवन को खतरे में डाल सकते हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट कर सकते हैं और बृहन्मुंबई पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में कानून और व्यवस्था में गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं। पुलिस ने यह भी उल्लेख किया कि आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक नेताओं की चुनावी रैलियां और अभियान होंगे, साथ ही 26/11 मुंबई हमले की सालगिरह भी होगी।

हत्या के आरोप में दो सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

कल्याण. प्रतिबंधित क्षेत्र में घूमने को लेकर हुए विवाद के बाद 37 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक निर्माण स्थल के दो सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार तड़के कल्याण इलाके में स्मार्ट सिटी परियोजना निर्माण स्थल के पास हुई। एमएफसी थाने के अधिकारी ने बताया कि दो सुरक्षा गार्ड ने कार्य स्थल के पास व्यक्ति की गतिविधि पर आपत्ति जताई थी। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों ने कथित तौर पर व्यक्ति को उठाकर फर्श पर पटक दिया, जिससे उसे गंभीर चोट पहुंची और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया।

भ्रष्ट ठेकेदार-अधिकारी मनपा को लगा रहे करोड़ों का चूना

धोखादायक इमारतों के तोड़ू एक्शन में भ्रष्टाचार का खेल

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. मनपा ठेकेदार एवं भ्रष्ट अधिकारी खुद के फायदे की खातिर मनपा तिजोरी को करोड़ों का चूना लगा रहे हैं.धोखादायक इमारत को तोड़ने के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है.मनपा भ्रष्ट अधिकारी ठेकेदारों से मिलीभगत कर मनपा राजस्व का भारी नुकसान करने पर तुले हैं. मनपा प्रशासन द्वारा धोखाधायक इमारत मटेरियल वैल्यू का आंकलन करने वाले नामित इंजीनियर भी महाघोटाले में शामिल हैं.मनपा को करोड़ों रूपये की चपत लगने की जानकारी होने के बाद भी मनपा प्रशासक अजय वैद्य द्वारा कोई कड़क कदम नहीं उठाए जाने से जागरूक शहरवासियों को उनकी भूमिका पर भी संदेह होना शुरू है.

गौरतलब हो कि, मनपा शहर विकास विभाग में तैनात भ्रष्ट अधिकारियों से मिलीभगत कर धोकादायक इमारतों को तोड़ने वाले ठेकेदार मालामाल और मनपा तिजोरी को चूना लगा रहे हैं.धोकादायक इमारतों को तोड़ने वाले ठेकेदार मनपा द्वारा तोड़क निर्धारित राशि का भुगतान नहीं कर करीब 50 लाख रुपए का चूना लगा चुके हैं.धोकादायक इमारतों को तोड़नेवाले ठेकेदार अधिकारियों की जेब भरकर मनपा वैल्यूर इंजीनियर को पैसा देकर इमारत तोड़ने से निकलने वाली सामग्री की निर्धारित राशि का आंकलन कम तय कर मनपा राजस्व का करोड़ों रूपया डूबा रहे हैं.

दलालों का गिरोह सक्रिय

जागरूक लोगों का आरोप है कि, भिवंडी मनपा में प्रशासन स्तर से धोखादायक इमारतों को तोड़ने का ठेका दिलाने का काम कुछ पूर्व जनप्रतिनिधि एवं सफेदपोश दलाल कर रहे हैं. धोकादायक इमारत को तोड़ने के पूर्व ठेकेदार से भ्रष्ट अधिकारी सौदा करते हैं.एक धोकादायक इमारत को तोड़ने की एवज में ठेकेदार मनपा अधिकारी को करीब 15 से 20 लाख रुपया देता है. ठेकेदार एवं अधिकारी की मिलीभगत से मनपा वैल्यूर अधिकारी को खुश कर इमारत वेस्ट सामग्री का बेहद कम मूल्यांकन कर ठेकेदार को फायदा और मनपा खजाने का नुकसान किया जा रहा है.सूत्रों के अनुसार, अशोक नगर स्थित अशोक होटल की 3 मंजिला इमारत को शक्ति ग्रुप को भूखंड का फायदा पहुंचाने की खातिर इमारत तोड़ने के लिए शहर विकास विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों ने करीब 40 लाख रुपया लिया लेकिन मनपा खजाने में करीब 4.15 लाख ही आया है.

प्रशासक की चुप्पी संदेह के घेरे में

आश्चर्यजनक है कि,मनपा प्रशासक अजय वैद्य को भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों की मिलीभगत की सारी भ्रष्टाचार की कहानी मालूम होने के बाद भी भ्रष्ट अधिकारी, ठेकेदार पर कोई कार्यवाही नहीं होना प्रशासन की अकर्मण्यता दिखाने के साथ ही भूमिका पर भी गंभीर संदेह पैदा करता है.

भिवंडी में 3.75 लाख कैश जब्त

भिवंडी. विधानसभा चुनाव की पार्श्वभूमी में भिवंडी शहर में जगह जगह विजिलेंस पथक व स्टॅटीक पथक द्वारा वाहन की जांच भारी पैमाने पर शुरू है. बुधवार दोपहर 12 बजे वसई पारोल मार्ग से भिवंडी शहर की तरफ आने वाले कांबा ग्रामपंचायत हद्द तलवली नाका पर हुई कार्यवाही में एक वाहन से 3 लाख 75 हजार रुपया

नकद बरामद कर जब्त की गई. कार चालक पर सही हिसाब नहीं

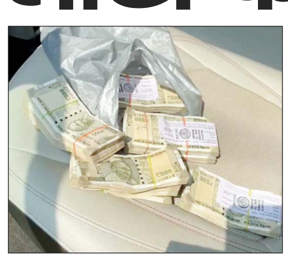

देने और गुमराह करने का आपराधिक मामला दर्ज हुआ है.

जागरूक लोगों का आरोप कि, चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव आचार संहिता की सख्त उपाय योजना के बाद भी भिवंडी शहर अंतर्गत बनी विजिलेंसबचौकियों को धत्ता बताकर नकद रकम का आवागमन निर्बाध रूप से शुरू है.कभी कभार एक्शन लेकर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है.

जय श्री राम बोलो तो मिलेगा खाना

मुंबई. मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल के बाहर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि अस्पताल के बाहर एक बुजुर्ग लोगों को खाना बांट रहे हैं और कतार में लगकर लोग वहां से खाना ले रहे हैं। लेकिन कथित तौर पर दावा किया जा रहा है कि इस बुजुर्ग ने खाना लेने आई एक मुस्लिम महिला को जय श्री राम का नारा लगाने को बाध्य किया.

STAFF REQUIRED

SINDHI MALE

Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED

CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

Thakur Chandwani

Jairam Chandwani Mumbai resident has filed a case against **Thakur Chandwani, Ravi Chandwani, Bunty Chandwani, Pawan Chandwani** Ulhasnagar resident in the Judicial Magistrate First Class, Court No. 9, Bandra, Mumbai, Registration Number 900138/2024, filling Number 1734/2024 Dated 17/10/2024, CNR Number MHMM 180120162024

Under Act(s)
BHARTIYA NYAYA SANHITA
Under Section(s) - 308(5),308)7),78, 318(4),351(3)352, 61(2)3(5)
Under Act(s)
INDIAN PENAL CODE -
Under Section(s) - 386,389,354(D),420, 506(2)120(b),34

ठाणे मनपा कर्मचारी व आशासेविका को दीपावली भेंट

6 हजार रुपये दीपावली पर्व के निमित्त आशा सेविका के बैंक खाते में जमा

ठाणे. दीपावली पर्व के निमित्त ठाणे मनपा क्लास 2 व क्लास 4 के सभी कर्मचारियों को सानुग्रह अनुदान अक्टूबर महीने के वेतन के साथ और आशा सेविका को 6 हजार रुपये उनके बैंक खाते में जमा किया ।मनपा ने यह नियोजनबद्ध व्यवस्था सानुग्रह अनुदान व वेतन दीपावली पर्व के पहले ही जमा कर दिया ।आशा सेविका व मनपा कर्मचारियों ने मनपपा आयुक्त सौरभ राव का आभार व्यक्त किया है ।मनपा के क्लास 2 व 4 के 6300 कर्मचारी,शिक्षण विभाग के 736 कर्मचारी,परिवहन विभाग के 1493 स्टॉप कर्मचारी,मनपा ठेके कर्मचारी 365 कर्मचारियों को 24000 रुपये का सानुग्रह अनुदान दिया गया ।492 आशा सेविकाओं को हर साल की तरह 6 हजार रुपये दीपावली भेट स्वरूप दिया ।मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार अक्टूबर के वेतन दीपावली पर्व के पहले बैंक खाता में जमा कर दिया गया ।सब मिलाकर 22 करोड़ रुपये हुआ।

स्कूल में सारा से डरती थीं अनन्या, आज बेस्टफ्रेंड

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने साल 2019 में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड डेब्यू किया था।5 साल के करियर में अनन्या अब तक 10 प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। 30 अक्टूबर 1998 में जन्मीं अनन्या पांडे के पिता चंकी पांडे मशहूर बॉलीवुड एक्टर रहे हैं। उनकी मां भावना पांडे कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। परिवार में अनन्या की एक छोटी बहना रायसा भी है। अनन्या बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने एक्टिंग के लिए पढ़ाई से ब्रेक ले लिया था।

स्कूल में सारा अली खान से डरती थीं अनन्या

कम ही लोग जानते हैं कि सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान और अनन्या एक ही स्कूल में पढ़ते थे। हाल ही में मिड-डे को दिए एक इंटरव्यू में अनन्या ने कहा, 'एक ही स्कूल में पढ़ने के बाद मैं सारा की दोस्त नहीं थी। मैं उनसे डरती थी। वो बहुत ही ज्यादा मुंहफट थीं और किसी के भी सामने कुछ भी बोल देती थीं। स्कूल में उनको देखकर मैं अपना रास्ता बदल लेती थी।'

अनन्या ने स्कूल का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, 'स्कूल में एक प्ले हुआ जिसमें हम दोनों ने साथ काम किया। वो लीड रोल प्ले कर रही थीं और मुझे उनके पीछे छाता लेकर खड़ा रहना था। रिहर्सल के दौरान उन्होंने कभी मेरा नाम जानने की भी कोशिश नहीं की। वो मुझे ऐसे बुलाती थीं- 'ए लड़की, इधर आ।' आज जब मैं उन्हें उनकी इन सब हरकतों के बारे में बताती हूं तो वो कहती हैं कि यह सब बकवास हैं और मैंने तुमसे स्कूल में कभी ऐसा व्यवहार नहीं किया।'

यादव समाज द्वारा गोवर्धन पूजा और दीपावली स्नेह सम्मेलन का आयोजन

भिवंडी. यादव समाज भिवंडी द्वारा आगामी 3 नवंबर को गोवर्धन पूजा एवं दीपावली स्नेह सम्मेलन का आयोजन राधाकृष्ण विद्यालय प्रांगड़ अंजूरफाटा में किया गया है. शाम 5 बजे से शुरू होने वाले कार्यक्रम में गोवर्धन पूजा, दीपावली स्नेह सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित स्नेह भोज रखा गया है.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यादव संघ मुंबई अध्यक्ष अजय सीताराम यादव के साथ ही समाज की तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे.

उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष डा.एन. एल.यादव ने बताया कि, गोवर्धन पूजा का पौराणिक धार्मिक इतिहास है. भगवान कृष्ण के गाँव में हर साल इंद्र की पूजा के बाद भी इंद्र क्रोधित होकर भारी वर्षा कर देते थे.वर्षा से नुकसान के बचाव के लिए भगवान कृष्ण ने अपने गाँव के लोगों को इंद्र की पूजा करने से रोका और उन्हें गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए कहा. इंद्र ने क्रोधित होकर वर्षा की लेकिन भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाकर अपने गाँव की रक्षा कर गोवर्धन पर्वत की पूजा की शुरुआत की. कथा से प्रेरणा मिलती है कि, प्रकृति का सदैव सम्मान करें. कठिन समय में अपने गाँव और समाज की रक्षा करें. भगवान कृष्ण की शक्ति और उनकी रक्षा पर विश्वास करें.गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण की शक्ति और उनकी रक्षा की याद दिलाता है.

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास वि NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

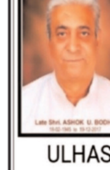

लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)

25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000

उल्हास वि NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now

Thank you

Pageviews yesterday	2,763
Pageviews last month	76,471
Pageviews all time history	1,007,712
Followers	168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099